ATP Education History **Important Questions And Answers:**

पाठ – 1

प्रश्न – अतीत में विदेशी किसे माना जाता था ?

उत्तर – किसी गाँव में आने वाला कोई अंनजाना व्यक्ति जो उस समाज या संस्कृति का अंग हो विदेशी कहा जाता था ।

प्रश्न – इतिहासकार किसी काल के बारे में सूचना इक्कठा करने के लिए किन पर निर्भर करते थे ?

उत्तर – सिक्कों, शिलालेखों, भवन निर्माण कला, तथा लिखित सामग्री पर निर्भर करते थे।

प्रश्न – अभिलेखागार किसे कहते है ?

उत्तर – ऐसा स्थान जहाँ दस्तावेजों तथा पांडुलिपियों को संग्रहित किया जाता है।

प्रश्न – भारतीय अभिलेखागार कहाँ स्थित है ?

उत्तर – नई दिल्ली में ।

प्रश्न – वर्तमान में अभिलेखागार का उपयोग बताइए।

उत्तर – वर्तमान में राष्ट्रीय तथा राज्य सरकारों के तमाम पुरानें सरकारी अभिलेखों और लेन देनों का रिकार्ड रखते है।

प्रश्न – सन् 700 और 1750 के बीच प्रौद्योगिकी में कौन कौन से परिर्वतन में परिर्वतन आए।

उत्तर – इस बीच प्रौद्योगिकी में निम्न परिर्वतन में परिर्वतन आए।

(1) सिंचाई में रहट

(2) कताई में चरखें और

(3) युद्ध में आग्नेयास्त्रों (गोला बारूद वाले हथियार) का इस्तेमाल ।

प्रश्न – सन् 700 और 1750 के बीच में परिवर्तन के साथ साथ आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का भी काल रहा । कैसे ?

उत्तर – इस काल में नई प्रौद्योगिकी के साथ साथ खान पान में भी परिवर्तन आया – जैसे आलु, मक्का, मिर्च, चाय और कॉफी आदि। ये चीजें उन लोगों के साथ आए जो नए विचार लेकर आए थे।

प्रश्न – जातियों के मामलें कैसे नियंत्रित किए जाते थे ?

उत्तर –

(i) जातियों के मामले 'जाति पंचायत' के द्वारा नियंत्रित किए जाते थे।

(ii) जातियों को अपने गावों के रिवाजों का पालन करना करना पडता था ।

प्रश्न – जाति पंचायत किसे कहा जाता था ?

उत्तर – जातियों से संबंधित नियमों का पालन जाति के बड़े – बुजुर्गो की एक सभा करवाती थी जिसे कुछ इलाकों में जाति पंचायत कहा जाता था।

प्रश्न – पर्यावास शब्द से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर – इसका तात्पर्य किसी भी क्षेत्र के पर्यावरण और वहाँ के रहने वालों की सामाजिक और अर्थिक जीवन शैली से है।

प्रश्न – इस काल में पर्यावास में परिवर्तन के कारण लोगों के जीवन शैली में प्रभाव पड़े ?

उत्तर –

(i) कई वनवासियों को मजबुर होकर अपना स्थान छोड़ना पड़ा ।
(ii) कुछ जमीन की जुताई करने लगे और किसान बन गए।
(iii) ये क्षेत्रिय बाजार, मुखियाओं, पुजारियों, मठों और मंदिरों से प्रभावित होने लगे।

प्रश्न – अमीर खुसरों ने संस्कृत भाषा के बारें में क्या बताया ?

उत्तर – यह एक प्राचीन भाषा है जिसे केवल ब्राहम्ण जानते है आम जनता नहीं ।

प्रश्न – अठारहवीं सदी के एक शासक वंश का नाम बताइए जो पतन के ढलान था ?

उत्तर – मुगल वंश ।

प्रश्न – इस काल के दौरान हुए मुख्य धार्मिक परिवर्तनों का वर्णन करे ।

उत्तर – इस काल के दौरान हुए मुख्य धार्मिक परिवर्तन हुए।

(I) दैविक तत्वों में लोगों की आस्था बढने लगी ।
(II) इनका समाजिक संसार बदलने से इनकी आस्थाओं में भी परिवर्तन होते गए।
(III) नए देवी देवताओं की पूजा होने लगी।
(IV) राजाओं द्वारा मदिरों का निर्माण होने लगा ।
(V) पुरोहितों के रूप में ब्राहम्णों का महत्व बढता गया ।

प्रश्न – प्रशस्ति क्या होता है ?

उत्तर – किसी कि प्रशंसा में लिखी गई बात या पुस्तक प्रशस्ति कहलाती है।

प्रश्न – इस युग में भक्ति की अवधारणा में क्या महत्वपूर्ण परिवर्तन आए।

उत्तर – इस युग में ईश्वर की कल्पना एक ऐसे प्रेमल ईष्ट देवी–देवता के रूप में की गई थी जिस तक पुजारियों के विशद कर्मकांड के बिना ही भक्त स्वयं पहुँच सकें ।

प्रश्न – सातवीं सदी में राजा बड़े भूस्वामी और योद्धा–सरदारों को किस नाम से मान्यता देते थे ?

उत्तर – मातहत या सामंत ।

प्रश्न – राजाएँ सामंतों से क्या उम्मीद रखते थे ?

उत्तर – सामंतों से राजा निम्न उम्मीद रखते थे।

(i) वे राजा या स्वामी के लिए उपहार लाएँ ।

(ii) उनके दरबार में हाजिरी लगाएँ और उन्हें सैन्य सहायता प्रदान करें।

प्रश्न - अधिक सत्ता और संपदा हासिल करने पर सामंत क्या करते थे ?

उत्तर -

(1) अपने-आप को महासामंत, महामंडलेश्वर (पूरे मंडल का महान स्वामी) इत्यादि घोषित कर देते थे।

(2) कभी-कभी वे अपने स्वामी के आधिपत्य से स्वतंत्र हो जाने का दावा भी करते थे।

प्रश्न - कौन सा यज्ञ (अनुष्ठान)करने पर याजक जन्म से क्षत्रिय न होते हुए भी क्षत्रियत्व प्राप्त कर लेता था ?

उत्तर - हिरण्यगर्भ (शाब्दिक अर्थ - सोने का गर्भ) नामक एक अनुष्ठान किया करते थे।